प्रेतराज चालीसा

॥ दोहा ॥
गणपति की कर वंदना,
गुरु चरनन चितलाय।
प्रेतराज जी का लिखूं,
चालीसा हरषाय॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय जय भूताधिप प्रबल,
हरण सकल दुःख भार।
वीर शिरोमणि जयति,
जय प्रेतराज सरकार॥

॥चौपाई॥
जय जय प्रेतराज जग पावन,
महा प्रबल त्रय ताप नसावन।

विकट वीर करुणा के सागर,
भक्त कष्ट हर सब गुण आगर।

रत्न जटित सिंहासन सोहे,
देखत सुन नर मुनि मन मोहे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जगमग सिर पर मुकुट सुहावन,
कानन कुण्डल अति मन भावन।

धनुष कृपाण बाण अरु भाला,
वीरवेश अति भृकुटि कराला।

गजारुढ़ संग सेना भारी,
बाजत ढोल मृदंग जुझारी।

छत्र चंवर पंखा सिर डोले,
भक्त बृन्द मिलि जय जय बोले।

भक्त शिरोमणि वीर प्रचण्डा,
दुष्ट दलन शोभित भुजदण्डा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

चलत सैन काँपत भूतलहू,
दर्शन करत मिटत कलि मलहू।

घाटा मेंहदीपुर में आकर,
प्रगटे प्रेतराज गुण सागर।

लाल ध्वजा उड़ रही गगन में,
नाचत भक्त मगन ही मन में।

भक्त कामना पूरन स्वामी,
बजरंगी के सेवक नामी।

इच्छा पूरन करने वाले,
दुःख संकट सब हरने वाले।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो जिस इच्छा से आते हैं,
वे सब मन वांछित फल पाते हैं।

रोगी सेवा में जो आते,
शीघ्र स्वस्थ होकर घर जाते।

भूत पिशाच जिन्न वैताला,
भागे देखत रूप कराला।

भौतिक शारीरिक सब पीड़ा,
मिटा शीघ्र करते है क्रीड़ा।

कठिन काज जग में हैं जेते,
रटत नाम पूरन सब होते।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तन मन धन से सेवा करते,
उनके सकल कष्ट प्रभु हरते।।

हे करुणामय स्वामी मेरे,
पड़ा हुआ हूँ चरणों में तेरे।

कोई तेरे सिवा न मेरा,
मुझे एक आश्रय प्रभु तेरा।

लज्जा मेरी हाथ तिहारे,
पड़ा हूँ चरण सहारे।

या विधि अरज करे तन मन से,
छुटत रोग शोक सब तन से।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मेंहदीपुर अवतार लिया है,
भक्तों का दुःख दूर किया है।

रोगी, पागल सन्तति हीना,
भूत व्याधि सुत अरु धन हीना।

जो जो तेरे द्वारे आते,
मन वांछित फल पा घर जाते।

महिमा भूतल पर है छाई,
भक्तों ने है लीला गाई।

महन्त गणेश पुरी तपधारी,
पूजा करते तन मन वारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

हाथों में ले मुगदर घोटे,
दूत खड़े रहते हैं मोटे।

लाल देह सिन्दूर बदन में,
काँपत थर-थर भूत भवन में।

जो कोई प्रेतराज चालीसा,
पाठ करत नित एक अरु बीसा।

प्रातः काल स्नान करावै,
तेल और सिन्दूर लगावै।

चन्दन इत्र फुलेल चढ़ावै,
पुष्पन की माला पहनावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ले कपूर आरती उतारै,
करै प्रार्थना जयति उचारै।

उनके सभी कष्ट कट जाते,
हर्षित हो अपने घर जाते।

इच्छा पूरण करते जनकी,
होती सफल कामना मन की।

भक्त कष्ट हर अरिकुल घातक,
ध्यान धरत छूत सब पातक।

जय जय जय प्रेताधिप जय,
जयति भूपति संकट हर जय।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो नर पढ़त प्रेत चालीसा,
रहत कबहूँ दुख लवलेशा।
कह भक्त ध्यान धर मन में,
प्रेतराज पावन चरणन में।

॥ दोहा ॥
दुष्ट दलन जग अघ हरन,
समन सकल भव शूल।
जयति भक्त रक्षक प्रवल,
प्रेतराज सुख मूल॥

विमल वेश अंजिन सुवन,
प्रेतराज बल धाम।
बसहु निरंतर मम हृदय,
कहत भक्त सुखराम॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी

- कैला चालीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- कुबेर चलीसा
- चित्रगुप्त चालीसा
- गोलू चालीसा
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा
- यमुना चालीसा
- मेहर चालीसा
- कामाख्या चालीसा
- सत्य साई चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम